भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5373

उत्तर देने की तारीख: 03.04.2025

जनजातीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देना

5373. डॉ. एम. पी. अब्दुस्समद समदानीः

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश में जनजातीय हस्तशिल्प की व्यावसायिक व्यवहार्यता को बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल कर रही है;

(ख) यदि हां, तो जनजातीय कारीगरों को मुहैया कराई गई वित्तीय सहायता, कौशल विकास कार्यक्रम और विपणन सहायता सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने जनजातीय हस्तशिल्प की पहुंच बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के साथ सहयोग किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान जनजातीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए कुल कितनी निधि आवंटित और उपयोग की गई है; और

(ङ) यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि बिचौलिए जनजातीय कारीगरों का शोषण न कर सकें और उन्हें उनके उत्पादों का उचित मूल्य प्राप्त हो?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री

(श्री दुर्गादास उइके)

(क) से (ङ) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) देश भर में जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए जनजातीय कार्य मंत्रालय की "प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन" (पीएमजेवीएम) योजना को क्रियान्वित (लागू) कर रहा है। पीएमजेवीएम के तहत, जनजातीय कारीगरों को सूचीबद्ध करना और उनसे विभिन्न जनजातीय उत्पादों की खरीद करना, आजीविका के अवसर पैदा करने की मुख्य पहल है।

उपरोक्त मुख्य पहल को प्राप्त करने के एक भाग के रूप में, ट्राइफेड ट्राइब्स इंडिया आउटलेट्स, ई-कॉमर्स और प्रदर्शनियों के माध्यम से जनजातीय उत्पादों का खुदरा विपणन करता है। ट्राइफेड ने अपने इन-हाउस ब्रांड, ट्राइब्स इंडिया को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) में एकीकृत कर दिया है और ओएनडीसी के क्रेता ऐप्स के माध्यम से जनजातीय उत्पाद उपभोक्ताओं द्वारा खरीद के लिए उपलब्ध हैं। इसके अलावा, इन उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए ट्राइफेड ने इन उत्पादों को ऑनलाइन बाज़ारों में सूचीबद्ध करने की योजना बनाई है।

इसके अतिरिक्त, पीएमजेवीएम योजना के अंतर्गत, राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों को प्रशिक्षण, एमएफपी के मूल्य संवर्धन, कृषि और गैर-कृषि उत्पादों और उपजों के लिए 15 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इससे वन धन विकास केंद्र से जुड़े जनजातीय समुदायों को मूल्य संवर्धन गतिविधियों में संलग्न होने, बिक्री बढ़ाने, अपनी आजीविका को समर्थन देने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जाता है।

*****